भारतीय सुगंध उद्योग में हैं असीम संभावनाएं

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। रोजमर्रा की जिंदगी में हम जिन सुगंधित चीजों का प्रयोग करते हैं वो हमारी सेहत व पर्यावरण के लिए सुरक्षित हों, सगंध पौधों के उद्यम से जुड़े किसानों की आमदनी कैसे बढ़े इन बातों पर चर्चा व अमल के लिए सीमैप में शुक्रवार को तीसरा फिक्की अंतरराष्ट्रीय सुगंध सम्मेलन आयोजित किया गया।

केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान में ''वन वीक वन थीम'' पहल के तहत सम्मेलन में वैज्ञानिकों, उद्यमियों व अंतरराष्ट्रीय डेलीगेट्स ने पर्यावरण व मानव हित में सस्टेनेबल एरोमा उद्यम की वकालत की। कहा, भारतीय सुगंध उद्योग में अभी असीम संभावनाएं हैं।

सेमिनार में बोलते आलोक कालरा, साथ में मंच पर मौजूद एसवी शुक्ला भावना नागेश्वरन, डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी और अजीत कुमार। अमर उजाला

मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा, भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने के लिए हमें कृषि पर ध्यान देना होगा। सीमैप के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी ने संस्थान द्वारा विकसित टिकाऊ क्लस्टर मॉडल पर बात की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आलोक कालरा ने टिकाऊ कृषि व नवाचार के जरिये सुगंध उद्यम में लगे किसानों के आर्थिकी को बढाने, वैश्विक मानकों के निर्माण, समीक्षा आदि पर चर्चा की।